❶

ओ३म्

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

समस्त देशवासियों एवं भरतवंशियों को श्रावणी पर्व, रक्षाबन्धन, स्वतन्त्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

वर्ष 48, अंक 41 एक प्रति : 5 रुपये

सोमवार 4 अगस्त, 2025 से रविवार 10 अगस्त, 2025

विक्रमी सम्वत् 2082 सृष्टि सम्वत् 1960853126

दयानन्दाब्द : 202 पृष्ठ : 8

वार्षिक शुल्क : 250 रुपये दूरभाष: 23360150

ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों का समापन

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

30-31 अक्तूबर एवं 1-2 नवम्बर, 2025

स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

विश्व के 40 से अधिक देशों से पधारेंगे महर्षि दयानन्द के अनुयायी एवं आर्यसमाज के श्रद्धालु

35वें आर्य महासम्मेलन अमेरिका में सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली में भागीदारी का गूंजा नारा - चलो दिल्ली-चलो दिल्ली

समग्र समाज की समस्याओं को समझकर समाधान देने का नाम है, आर्य समाज - विनय आर्य

महर्षि दयानंद जी आर्य समाज के सिद्धांतों, और परंपराओं को जन पहुंचाने,वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कारों के प्रचार - प्रसार, विस्तार तथा सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु सम्मेलनों, अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलनों के आयोजनों का इतिहास अत्यंत पुराना है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज की शिक्षाओं, मान्यताओं जन तक के 150वें स्थापना वर्ष के 2 वर्षीय आयोजनों के समापन समारोह के रूप में आगामी 30 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2025 की तिथियों में सुनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को लेकर संपूर्ण भारत और विश्वव्यापी आर्य समाज में उत्साह की लहर है। इससे पूर्व आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका एवं आर्य समाज सिएटल द्वारा वाशिंगटन, अमेरिका में 31 जुलाई से 3 अगस्त, 2025 तक 35वां आर्य महासम्मेलन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विश्व के विभिन्न देशों के आर्य प्रतिनिधियों, संन्यासियों, विद्वानों सहित भारत से डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा कोर कमेटी के सदस्य श्री विनय आर्य जी उपस्थित रहे। सम्मेलन में यज्ञ, योग, भजन, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विश्व की वर्तमान समस्याओं के ऊपर विशेष चिंतन मनन किया गया, इस अवसर पर श्री विनय आर्य जी ने अपने उद्‌बोधन में आर्य समाज के 150 वर्ष के इतिहास में महर्षि दयानंद सरस्वती जी से प्रेरणा लेकर हमारे महापुरुषों ने जो महान कार्य किए हैं उन पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के 150 वर्षों तक मार्गदर्शन का संदेश दिया। आपने स्वामी श्रद्धानंद, श्याम जी कृष्ण वर्मा, भाई परमानंद और सभी महापुरुषों, उनके सेवा कार्यों का स्मरण करते हुए बताया कि महर्षि दयानंद ने वेद को आधार माना और वे ईश्वर की वाणी पर सदैव अटल रहे, उनके शिष्यों ने महर्षि की प्रेरणा को आत्मसात करते हुए सत्य की राह को अपनाया और हम सबके लिए प्रेरणा प्रदान की। आपने भारत के प्रथम जस्टिस मेहर चंद महाजन का उदाहरण देते हुए बताया कि अगर

- शेष पृष्ठ 7 पर

ध्वजारोहण करके आर्य महासम्मेलन अमेरिका का शुभारम्भ करते स्वामी वेदानन्द जी एवं सभा महामन्त्री श्री विनय आर्य जी, साथ में हैं अमेरिका सभा के प्रधान श्री भवनेश खोसला, महामन्त्री श्री विश्रुत आर्य, डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार एवं अन्य महानुभाव। स्वर्ण जयन्ती पार्क रोहिणी दिल्ली में होने वाले आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 30 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2025 में पहुंचने का उद्‌घोष करते हुए अमेरिका आर्य प्रतिनिधि सभा के अधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्ता।

हॉलैंड एवं नीदरलैंड पहुंचा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली का निमन्त्रण : आर्यजनों में उत्साह की लहर : सपरिवार पहुंचेंगे

अमेरिका यात्रा के दौरान महामन्त्री श्री विनय आर्य दिल्ली महासम्मेलन का निमन्त्रण लेकर आर्य प्रतिनिधि सभा नीदरलैंड (आर्यसमाज आसन) देनहॉग पहुंचे। प्रधान श्री राजेश सुखराम ने निमन्त्रण को स्वीकार करते हुए नीदरलैंड एवं हॉलैंड के आर्यजनों के साथ सपरिवार पहुंचने की बात कही।

आर्य प्रतिनिधि सभा नीदरलैंड एवं हॉलैंड के अधिकारियों को महासम्मेलन में पधारने का आमन्त्रण देते दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, साथ में हैं आसन आर्यसमाज के प्रधान श्री राजेश सुखराम, पं. बीरे जी एवं फासनेड के प्रधान श्री सुरेन महाबली।

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली

पंजीकरण आरम्भ

इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में भाग लेने हेतु पंजीकरण आरम्भ हो गए हैं। प्रत्येक आर्यजन का पंजीकरण आवश्यक है। पंजीकरण हेतु www.aryamahasammenan.com पर लॉगइन करें। पंजीकरण सम्बन्धी आवश्यक निर्देश पृष्ठ 7 पर दिए गए हैं। - *संयोजक*

देववाणी-संस्कृत

हृदय में तेरी तरङ्गें ठाठें मारें

वेद-स्वाध्याय

ये ते पवित्रमूर्मयोऽभिक्षरन्ति धारया। तेभिर्नः सामे मृळय।।
-ऋ० 9।61।5 ; सा० ऊ 2।1।5
ऋषिः- अमहीयुः।। देवता-पवमानः सोमः।। छन्दः-गायत्री।।

शब्दार्थ- ते ये ऊर्मयः = तेरी जो तरंगें **धारया** = जगत् के धारण करनेवाली तेरी जगत्-व्यापक ज्ञानधारा द्वारा **पवित्रं अभिक्षरन्ति** =मनुष्य के पवित्र हुए अन्तःकरण में प्रकट होती हैं, उठती हैं **सोम** = हे सोम! **तेभिः** = उन तरंगों से **नः मृळय** = हमें आनन्दित कर दो।

विनय - मानसरोवर में कुछ-न-कुछ तरंगें सदा उठा ही करती हैं । चारों ओर होनेवाली घटनाओं से मनुष्य का मानस-सर नाना प्रकार से क्षुब्ध होता रहता है, परन्तु हे सोम! मैं अपने मानस को पवित्र बना रहा हूँ। इसलिए पवित्र बना रहा हूँ, जिससे इसमें तेरी जगद्-व्यापक धारा से आई हुई तरंगें ही पैदा हों; अन्य किसी प्रकार की क्षुद्र तरंगें पैदा न हों। हे सोम! अपनी शीतल सुखदायिनी और ज्ञानामृतवर्षिणी धाराओं से तुमने इस जगत् को व्याप्त कर रखा है। इन्हीं द्वारा यह जगत् धारित हुआ है, नहीं तो इस जगत् का सब जीवनरस न जाने कब का सूख चुका होता। मैं देखता हूँ कि तुम्हारी इस जीवन रस दायिनी दिव्य धारा का मनुष्यों के पवित्र हुए अन्तःकरणों के प्रति एक आकर्षण उत्पन्न हो जाया करता है। जैसे कि चन्द्रमा के (भौतिक सोम के) आकर्षण से समुद्र-जल में ज्वारभाटा उत्पन्न होता रहता है, उसी प्रकार हे सच्चे सोम! मनुष्य के पवित्र हुए मनः सरोवर में भी तरी सोमधारा के महान् आकर्षण से उच्च तरंगें उठने लगती हैं, ऊँचे-ऊँचे, व्यापक, सनातन भावावेश (emotions) उठने लगते हैं। विश्वप्रेम, वीरता, अदम्य उत्साह, सर्वार्पण कर डालने की उमङ्ग, दुःखितमात्र पर दया, इत्यादि ऐसे सनातन व्यापक भावावेश हैं जो तेरी जगद्-धारक महान् धारा के अनुकुल हैं। बस, पवित्र हुए अन्तःकरणों में तेरी महाशक्तिमती धारा के अनुसार ये ही तेरी ऊर्मियाँ, तेरी तरंगें अभिक्षरित हुआ करती हैं। हे सोम! मुझे अब इन्हीं सत्यमयी व्यापक तरंगों के मनमें उठने से सुख मिलता है। वे राग-द्वेष की हवा से उठनेवाली क्षुद्र भावावेशों (मउवजपवदे) की तरंगें, वे मन को क्षुब्ध करनेवाले एकपक्षीय ज्ञान से होनेवाले छोटे-छोटे अनुराग, मोह, शंङ्का, भय, उत्कण्ठा, कामना आदि की तरंगें मुझे सुख नहीं देती, किन्तु क्लेशरूप दिखाई देती हैं। इसलिए, हे मेरे सोम! मेरे मानस में उन्हीं तरंगों को उठाकर मुझे सुखी करो जो तरंगें पवित्र हृदयों में तुम्हारी धारा से उठती हैं। बस, ये ही उच्च भावावेश, ये ही व्यापक सनातन महान् भावावेश, मेरे मानस में उठा करें-ये ही तरंगें बार-बार उठें, खूब उठें, खूब ऊँची-ऊँची उठें-ऐसी ऊँची और महान् उठें कि इन अनान्ददायक भावावेशों में उठता हुआ मैं मग्न होकर तेरी ऊँचाई के संस्पर्श का सुख अनुभव कर सकूँ।

-: साभार:- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

मालेगांव घटना: एनआईए कोर्ट का निर्णय सातों आरोपी बरी

भगवा रंग को आंतकी कहना – भ्रम या षड़यंत्र फैलाना था उद्देश्य ?

यूं तो प्रत्येक रंग का अपना महत्व है, किन्तु रंगों का मनुष्य के मन और जीवन पर विशेष प्रभाव अवश्य पड़ता है। कई बार प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ रोगी को उपचार बताते हुए किसी विशेष रंग की दालें, सब्जियां, फल और अन्य औषधियों के सेवन करने का परामर्श भी देते हैं, इसके अतिरिक्त जल चिकित्सक अलग अलग रंगों की कांच की बोतलों में पानी भरकर धूप में रखकर उसे पीने से भी उपचार की सलाह देते हैं, क्योंकि उस पानी में सूर्य की किरणों का प्रभाव आ जाता है। मनुष्य के स्वभाव को भी देखा जाए तो रंगों में तामसिक, राजसिक और सात्विक तीनों प्रभाव होते हैं और लोग अपनी रुचि के अनुसार उनको प्रयोग में लाते हैं। मानव जीवन में खाना, पीना, पहनावा और लगभग समस्त क्रियाकलापों में रंगों के प्रयोग को कोई नकार नहीं सकता, और अगर गहराई से देखा जाए तो आजकल के युवा अधिकांशतया काला, नीला, ग्रे आदि भड़कीले रंगों के वस्त्र पहनना ज्यादा पसंद करते हैं और खान पान में भी उसी तरह के कोल्डड्रिक, फास्फूड प्रयोग करते हैं, परिणाम तामसिकता को बढ़ाने वाले इन रंगों के प्रयोग से देश और दुनिया में बढ़ता तनाव, अपराध, आतंक और व्यभिचार, भ्रष्टाचार एक बहुत बड़ी चिंता और चिंतन का कारण बनकर सामने है।

हमारे यहां धर्म और अध्यात्म को आगे रखते हुए भगवा और बसंती रंग को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। क्योंकि यज्ञ की अग्नि से लेकर साधु संन्यासियों, गुरुकुलों के छात्र-छात्राओं के वस्त्र, धर्म की ध्वजा और राष्ट्रभक्ति की भावना तक में भगवा और बसंती रंग को ही प्रमुखता दी जाती रही है। लेकिन भारत की इस पहचान और शान के विरुद्ध समय समय पर फिल्मों के माध्यम से अथवा झूठे दोषारोपण करके षड्यंत्र रचने की होड़ सी मची हुई है। संक्षेप में कहा जाए तो सनातन के स्वरूप भगवा को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण आज से 17 वर्ष पहले जब महाराष्ट्र के माले गांव में बम विस्फोट हुआ और वहां 6 लोगों की मौत और लगभग 100 लोग घायल हुए तब गिरफ्तार 7आरोपियों में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर भी आरोपी थी, उस समय कई कम्युनिस्ट विचार धारा के नेताओं ने भगवा आतंकवाद का भ्रम फैलाकर तुष्टिकरण का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की। लेकिन अब जबकि 31 जुलाई को इस बमधमाके मामले में 7 आरोपियों को साक्ष्य न मिलने पर कोर्ट ने बरी कर दिया तो कई आश्चर्यजनक खुलासे सामने आ रहे हैं। इस बम धमाके की घटना की जांच से जुड़े महाराष्ट्र की एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (ATS) के पूर्व इंस्पेक्टर महबूब मुजावर ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि इस मामले में मुझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। भगवा आतंकवाद स्थापित करने के लिए भागवत की गिरफ्तारी का दबाव बनाया गया था। मेरे पास इस दावे के दस्तावेज मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भगवा आतंकवाद नहीं था। सब कुछ फर्जी था। मैं किसी के पीछे नहीं गया, क्योंकि मुझे वास्तविकता पता थी। मोहन भागवत जैसे व्यक्ति को पकड़ना मेरी क्षमता से बाहर था। अब इस मामले में सातों आरोपियों को बरी किया गया है। इससे ATS के फर्जी कामों का पर्दाफाश हो गया। मुजावर के दावे पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा- सबकुछ गांधी परिवार के कहने पर हो रहा था। मोहन भागवत को झूठे केस में फंसाने की साजिश थी। उन्होंने कहा कि भगवा आतंकवाद का नरेटिव रचा गया।

भगवा आतंकवाद की हवा फैलाने के लिए जिम्मेदार माने जाने वाले दिग्विजय सिंह को लेकर अब पक्ष और विपक्ष में पलटवार भी तेजी से चल रहा है। सत्ता पक्ष कांग्रेस पर सत्ता में रहते हुए हिंदू आतंकवाद का विमर्श गढ़ने का आरोप लगा रहा है. इसे लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह भी निशाने पर हैं, दिग्विजय सिंह ने कहा, मैंने जीवन में कभी हिंदू या भगवा आतंकवाद का नाम लेकर बयान नहीं दिया. अगर कोई बयान या वीडियो हो तो सामने लाया जाए, दिग्विजय सिंह ने कहा, मुझे बेवजह बदनाम न किया जाए, मैंने संघी आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया क्योंकि एमपी का सीएम रहते मेरे पास उनसे जुड़े अभिनव भारत, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के लोगों के इसमें संलिप्त होने के सुबूत के साथ पुख्ता इनपुट थे, मैंने सीएम रहते सिमी को बैन किया, कांग्रेस और मेरे मुताबिक, आतंक का कोई धर्म या जाति नहीं होती है।

अगर इनकी बातों पर ध्यान दिया जाए तो 22 अप्रैल 2025 की पहलगाम की दर्दनाक आतंकवादी घटना को देखें तो जहां क्रूर आतंकियों ने नाम, धर्म और कपड़े उतरवाकर चेक करके निरपराध लोगों को गोली मारकर मौत के घाट उतारा तब इन्होंने आतंकवाद का रंग और धर्म अपनी जुबान से नहीं बोला, लेकिन मालेगांव की घटना को लेकर इनके मन में इतनी पीड़ा हुई कि इन्होंने कोर्ट के इन्वेस्टिगेशन और निर्णय आने से पहले ही साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य 6 के आरोपी मात्र होने पर ही भगवा आतंक का उदघोष कर दिया ? इससे पता चलता है कि इन राजनीतिक दलों के नेताओं को न्याय अन्याय, धर्म अधर्म, पाप पुण्य, मानवता और दानवता का अंतर पता होते हुए भी केवल वोटों की लाभ हानि की चिंता रहती है। तभी तो ये लोग समय-समय पर अपनी टीपी, पटके आदि के रंग बदलते रहते हैं। मालेगांव ब्लास्ट केस में स्पेशल एनआईए कोर्ट द्वारा बरी होने के बाद पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर पहली बार रविवार को भोपाल पहुंची तो राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाहर जुटे समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा,

– शेष पृष्ठ 7 पर

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

4 अगस्त, 2025
से
10 अगस्त, 2025

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों के समापन समारोह

सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025

तैयारियों हेतु दिल्ली की आर्यसमाजों में निरन्तर जारी हैं, जन सम्पर्क महा अभियान बैठकें

आर्यसमाज पंजाबी बाग पश्चिम में आर्य विद्या परिषद् दिल्ली के अन्तर्गत दिल्ली के आर्य विद्यालयों के अधिकारियों, प्रधानाचार्यो एवं अध्यापकों की बैठक

आर्यसमाज बिडला लाइन्स में आर्य पुरोहित सभा द्वारा दिल्ली आर्यसमाज के पुरोहितों की बैठक

सौरभ विहार, बदरपुर क्षेत्र दिल्ली में बैठक

आर्य वीरांगना दल दिल्ली प्रदेश की आर्य वीरांगनाओं की कार्यशाला बैठक

आर्यसमाज विवेक विहार, झिलमिल कालोनी, आनन्द विहार एवं दयानन्द विहार की बैठक

आर्यसमाज रानी बाग, रेलवे रोड शकूर बस्ती एवं सैनिक विहार की बैठक

आर्यसमाज पंखा रोड 'सी' ब्लाक, जनकपुरी

आर्यसमाज ग्रीन पार्क

आर्यसमाज मोहन गार्डन, उत्तम नगर

आर्यसमाज कीर्ति नगर

आर्यसमाज बाहरी रिंग रोड विकासपुरी

चलो दिल्ली! वैदिक विचारधारा को विश्वभर में गुंजायमान करने के संकल्प के साथ भारत की राजधानी दिल्ली में विश्वभर के आर्यों का महाकुम्भ चलो दिल्ली!

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली

30 अक्तूबर से 2 नवम्बर,2025 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैо-10, रोहिणी, दिल्ली-110085

व्यवस्थाएं-सुविधाएं एवं मुख्य आकर्षण

मुख्य पंडाल : विश्वभर से पधारे विद्वानों, कार्यकर्ताओं, अधिकारियों एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा राष्ट्र व विश्व के समक्ष वर्तमान समस्याओं के वैदिक समाधान तथा आर्य समाज के विश्वव्यापी संगठन के सेवा कार्यों की जानकारी। साथ ही आर्य समाज के नए युग के भव्य स्वरूप का प्रस्तुतिकरण।

अनुषंगी हॉल : मुख्य पंडाल के अतिरिक्त अनेक अलग-अलग हॉल में विभिन्न आयु/भाषा/रुचि वाले आगंतुकों हेतु अलग-अलग विषयों पर विशेष व्याख्यान, चर्चाएं, शंका समाधान, चलचित्र आदि के कार्यक्रम चलते रहेंगे।

आर्य प्रकाशक हॉल : वैदिक धर्म एवं आर्यसमाज से सम्बन्धित साहित्य प्रकाशित करने वाले विश्वभर के आर्य प्रकाशकों का यहां विराट संगम होगा, जिसमें एक लेखक मंच भी होगा जहां नए-नए लेखक एवं प्रकाशक अपनी कृतियों का परिचय देंगे।

मूवी हॉल: यहां विचार टीवी एवं आर्यसन्देश टीवी की ओर से 100 से अधिक फिल्मों का प्रसारण किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम हॉल: आर्य समाज के इतिहास की सत्य घटनाओं का रोमांचक नाटिकाओं के माध्यम से प्रदर्शन।

विभिन्न भाषा हॉल : विश्व भर से पधारे विद्वानों द्वारा उनकी स्थानीय भाषाओं में प्रवचन।

भजनोपदेश हॉल : विश्व भर से पधारे भजनोपदेशकों द्वारा पूर्णकालिक भजन प्रस्तुति ।

गुरुकुल हॉल : आर्ष गुरुकुलों की परम्परा एवं संस्कृति प्रदर्शित करते पूर्णकालिक हॉल।

शंका समाधान हॉल : सुयोग्य विद्वानों द्वारा आगंतुकों की शंका का समाधान करने हेतु पूर्णकालिक हॉल।

प्रतियोगिताएं : गुरुकुलों एवं आर्य विद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु पूर्णकालिक प्रतियोगिता हॉल।

विश्व आर्य समाज हॉल : विभिन्न देशों से पधारे आर्यजनों द्वारा उनके देशों में चल रही आर्य समाज की गतिविधियों को जानने का स्वर्णिम अवसर।

पर्यावरण एवं यज्ञ विज्ञान हॉल: पर्यावरण एवं यज्ञ के परस्पर वैज्ञानिक सम्बन्ध को दशनि हेतु विशेष हॉल।

गौशाला : एक आदर्श वैदिक परम्परा के नगर की संकल्पना जिसमें दुधारु गऊओं की गौशाला होगी।

यज्ञशाला : भव्य, सुन्दर, आदर्श शिल्प का नमूना, जिसे देखकर मन रोमांच से भर जाए।

लघु गुरुकुल : प्राचीन काल के गुरुकुल के सुन्दर दृश्य की जीवंत झांकी।

पूर्णकालिक यज्ञ : मुख्य यज्ञशाला के अतिरिक्त एक ऐसी यज्ञशाला भी होगी जहां निरन्तर यज्ञ होता रहेगा। आगन्तुक जब चाहें तब जाकर अपने परिवार एवं मित्रों के साथ यज्ञ कर सकते हैं। महासम्मेलन की वेबसाइट पर अपनी सुविधानुसार समय पर स्थान आरक्षित करवाएं।

ध्यान-योग : प्रतिदिन प्रातः खुले मैदान में योग साधना, प्राणायाम एवं ध्यान की क्रियाओं का प्रशिक्षण। इसके उपरान्त ध्यान एवं योग साधना कक्षों में समय-समय पर विभिन्न विद्वानों द्वारा चर्चाएं एवं साधनाएं।

सामूहिक यज्ञ प्रदर्शन : इस बार विशेष रूप से विश्व इतिहास में पहली बार 25 हजार बच्चों, युवाओं एवं आर्यजनों द्वारा एक साथ सामूहिक रूप से एक रूपीय यज्ञ प्रदर्शन कार्यक्रम करने का प्रयास होगा।

आर्य वीर दल शाखा: प्रतिदिन प्रातःकाल आर्य समाज की युवाशक्ति का नयनाभिराम दर्शन।

भव्य व्यायाम कला प्रदर्शन: देश के विभिन्न राज्यों से आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल के चयनित आर्य वीर एवं आर्य वीरांगनाओं द्वारा अद्भुत, अदम्य साहस से परिपूर्ण कलाओं का प्रदर्शन। व्यायाम, भाला, तलवारबाजी, लाठी, नानचक, जुडो, कराटे, आत्मरक्षा तकनीकों आदि का प्रदर्शन।

नुक्कड़ नाटक : समसामयिक विषयों को पर समाज में जागरूकता लाने हेतु खुले मंच पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन।

अन्धविश्वास निवारण हॉल: योग्य जादूगर द्वारा चमत्कारों का भंडाफोड़।

विश्वमार्यम हॉल : सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्य समाज की कार्य एवं गतिविधियों की जानकारी देने हेतु विशेष हॉल।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन : इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में एक दिन समस्त आर्यजगत के आर्य परिवारों के विवाह योग्य युवक-युवतियों का वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। आप भी अपने परिवार के विवाह योग्य युवक-युवतियों का पंजीकरण कराएं। पंजीकरण कराने के लिए www.matrimony.thearyasamaj.org पर लॉगइन करें।

प्रदर्शनी: आर्यसमाज के इतिहास एवं सिद्धान्तों, संगठन, कर्तव्यों, घटनाओं का प्रदर्शन चित्र दीर्घा के माध्यम से होगा।

लेजर शो : महासम्मेलन के एक दिन सायंकाल के समय महर्षि दयानन्द की 200वीं जयन्ती, 150 वर्षों के आर्यसमाज के इतिहास, वर्तमान, भविष्य की संकल्पना लिए एक अद्भुत प्रेरक कार्यक्रम जो चमकेगा सितारों के बीच एकदम आकाशवाणी की तरह।

सुन्दर सजावट : पूरे महासम्मेलन स्थल के विभिन्न स्थानों पर भिन्न-भिन्न प्रकार की यादगार रखने लायक सजावट की जाएगी।

विभिन्न सांस्कृतिक विरासतों का प्रदर्शन : महासम्मेलन के अवसर पर विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों से पधारे आर्य कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासतों का प्रदर्शन।

साहित्य बाजार : विश्वभर के वैदिक साहित्य के प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित वैदिक साहित्य तथा प्रचार सामग्री के क्रय की सुविधा रहेगी। पुस्तकों पर 10 प्रतिशत की छूट अनिवार्य की जाएगी।

रिकार्डिंग स्टूडियो: विश्व के कोने कोने से पधारे विद्वानों, भजनोपदेशकों एवं कार्यक्रम की विडियो रिकॉर्ड करने के लिए महासम्मेलन स्थल पर ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो की व्यवस्था रहेगी।

भव्य स्मारिका : एक भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा जिसमें सुन्दर, प्रेरणाप्रद लेख, कविताएं एवं रचनाओं के साथ-साथ विभिन्न आर्य संस्थाओं, सहयोगी संगठनों, शुभचिन्तकों के आशीर्वाद, शुभकामना सन्देश भी प्रकाशित किए जाएंगे। यदि आप अपने परिवार जनों, प्रियजनों की स्मृति में सन्देश प्रकाशित कराना चाहें तो करा सकते हैं। अपेक्षित शुल्क राशि देय होगी।

सुविधाएँ एवं व्यवस्थाएँ

पंजीकरण : अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भाग लेने के लिए पधारने वाले समस्त आर्यजनों को महासम्मेलन में व्यवस्था एवं सुरक्षा की दृष्टि से पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। महासम्मेलन स्थल के मुख्य द्वार पर ही प्रत्येक आगंतुक को प्रवेश/पहचान पत्र जारी किया जाएगा। वेबसाइट पर अग्रिम पंजीकरण करवाकर आने वाले आगंतुकों को प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण हो जाएगी।

आवास : पधारने वाले समस्त आर्यजनों के आवास की निःशुल्क व्यवस्था प्रान्त के अनुसार धर्मशालाओं, विद्यालयों, आर्य समाजों एवं महासम्मेलन स्थल पर बनाए गए टैंटों के विभिन्न ब्लॉकों में होगी। होटल एवं महासम्मेलन स्थल पर सशुल्क आवास में ठहरने की सुविधा महासम्मेलन से पूर्व अग्रिम राशि जमा कराने पर उपलब्ध होगी। इस सुविधा हेतु फार्म महासम्मेलन की वैबसाइट www.aryamahasammelan.com पर उपलब्ध है। विभिन्न होटलों की वेबसाइट पर जाकर होटल ऑनलाइन बुक किए जा सकते हैं।

भोजन : महासम्मेलन स्थल पर 29 अक्तूबर से 3 नवम्बर तक चौबीसों घण्टे भोजन की व्यवस्था रहेगी।

परिवहन : दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा बस अड्डों से महासम्मेलन स्थल पर पहुँचाने तथा महासम्मेलन के अन्तिम दिन महासम्मेलन स्थल पर रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला, बस अड्डा- कश्मीरी गेट, आनन्द विहार, सराय काले खां आदि स्थानों के लिए निःशुल्क व्यवस्था होगी।

दिल्ली भ्रमण:- महासम्मेलन के अन्तिम दिन तथा उससे अगले दिन दिल्ली भ्रमण तथा विशेष पर्यटन स्थलों के भ्रमणार्थ बसों की व्यवस्था अपेक्षित शुल्क पर उपलब्ध होगी।

महासम्मेलन बैंक : सुरक्षा की दृष्टि से महासम्मेलन स्थल पर बैंक लॉकर की व्यवस्था रहेगी। आप अपनी नकदी एवं कीमती सामान जमा कर सकेंगे।

एटीम : चल एटीएम की सुविधा रहेगी। आवश्यकता होने पर आप पैसे निकाल सकेंगे।

कैन्टीन : महासम्मेलन में निशुल्क भोजन के अतिरिक्त कैन्टीन भी होगी जहां पर आगंतुक अपनी इच्छा एवं एवं स्वादानुसार सःशुल्क चाय, नाश्ता, स्नैक्स, लंच, डिनर आदि का आनन्द ले सकेंगे।

स्नान व शौचालय:- आगंतुकों के लिए स्नानागार एवं शौचालय की निःशुल्क एवं सशुल्क दोनों व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी।

स्वच्छ पेय जल:- पेय जल की निःशुल्क व्यवस्था के साथ जल एटीएम, बोतलें एवं गिलास की सुविधा (न्यूनतम मूल्यों पर) उपलब्ध रहेंगी।

चिकित्सा सुविधा : महासम्मेलन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन व्यवस्था रहेगी। 24 घण्टे एम्बूलेंस की व्यवस्था भी रहेगी।

स्वास्थ्य जांच: सब संन्यासियों, विद्वानों एवं कार्यकर्ताओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच।

अमानती सामान घर : आर्यजनों को अपना अतिरिक्त सामान अपने साथ-साथ लिए न घूमना पड़े, इसके लिए महासम्मेलन स्थल पर ही अमानती सामान घर की सुविधा उपलब्ध होगी।

खोया-पाया विभाग : महासम्मेलन स्थल पर कोई सामान आपको पड़ा मिले तो उसे खोया-पाया विभाग में जमा कराकर आर्यत्व का परिचय देवें, जिससे वह सामान उचित व्यक्ति को प्राप्त हो सके।

स्मृति चित्र: अपना स्मृति फोटो खिंचवाकर उसे फोटो फ्रेम के साथ सशुल्क प्राप्त करें।

चार्जिंग स्टेशन: आर्यजनों की सुविधार्थ मोबाइल एवं लैपटॉप चार्ज करने के लिए निःशुल्क व सुशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मोबाइल रीचार्ज- महासम्मेलन स्थल पर मोबाइल कम्पनियों के मोबाइल रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सी.सी.टी.वी.: सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण महासम्मेलन स्थल तथा केस की गतिविधियों को रिकार्ड करने के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था की गई है।

साइबर कैफे : आगंतुकों के प्रयोगार्थ साइबर कैफे एवं फोटोकापी की सशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सीधा प्रसारण: अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के उद्घाटन, समापन, आर्य वीर दल प्रदर्शन तथा सभी प्रमुख आयोजनों का सीधा प्रसारण आर्यसन्देश टीवी के साथ-साथ विभिन्न टी.वी चैनलों, महासम्मेलन वेबसाइट एवं सोशल मिडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर किया जाएगा।

व्हील चेयर : व्हील चेयर केवल धरोहर राशि पर उपलब्ध रहेगी।

छोटे बच्चों से सम्बन्धी सुविधाएं : छोटे बच्चों की हाथ गाड़ी (pram) केवल धरोहर राशि पर उपलब्ध रहेगी।

मातृ सुविधा गृह : 3 वर्ष तक के बालक के साथ माता के विश्राम तथा शिशु पालन सम्बन्धी सुविधाओं के साथ निःशुल्क हाल की व्यवस्था होगी।

बच्चों का कोना: 6 से 12 वर्ष तक के बच्चों के मनोरंजन, खेलकूद, फिल्म दिखाने की पूरी सुविधा होगी।

महासम्मेलन स्मृति चिन्हों की नीलामी: महासम्मेलन समापन के पश्चात् महासम्मेलन में सज्जा हेतु बनवाई गई सुंदर वस्तुओं को स्मृति चिन्ह के रूप में घर ले जाने हेतु उनकी नीलामी की जायेगी। नीलामी हेतु वस्तुओं की सूची फोटो सहित वेबसाइट पर 29 अक्तूबर 2025 से उपलब्ध रहेगी।

विशाल आर्य वीर दल सेवा शिविर : महासम्मेलन में विभिन्न व्यवस्था कार्यों को सम्भालने वाले हजारों आर्य वीरों एवं आर्य वीरांगनाओं हेतु महासम्मेलन परिसर में विशाल आर्य वीर दल सेवा शिविर आयोजित किया जायेगा।

संन्यास एवं वानप्रस्थ दीक्षा : संन्यास एवं वानप्रस्थ आश्रम की दीक्षा प्रदान करने के लिए महासम्मेलन में विशेष सुविधाएं रहेगी।

वैदिक संस्कार : महासम्मेलन स्थल पर विशेष यज्ञ शाला में विभिन्न वैदिक संस्कार कराने हेतु सुंदर व्यवस्था रहेगी।

सोशल मीडिया कार्य प्रशिक्षण: महासम्मेलन में सोशल मीडिया पर कार्य करने हेतु विशेष प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी।

यज्ञ प्रशिक्षण कक्षा: यज्ञ करने की सही विधि का प्रशिक्षण देने हेतु विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जायेगा।

प्रतिनिधित्व : भारत के लगभग सभी राज्यों के साथ-साथ विश्व के लगभग 40 से अधिक देशों के आर्यजनों का इस महासम्मेलन में प्रतिनिधित्व होने का अनुमान है।

विशेष निवेदन

महासम्मेलन में पधारने वाले समस्त आर्य बन्धुओं से निवेदन है कि अपने पधारने की पूर्व सूचना (आवास, भोजन एवं परिवहन की व्यवस्था में सुविधा की दृष्टि से) यथाशीघ्र अवश्य भेजें ताकि तदनुरूप व्यवस्थाएं बनाई जा सकें। महासम्मेलन सम्बन्धी विस्तृत जानकारियाँ एवं अग्रिम पंजीकरण की सुविधा महासम्मेलन की वेबसाइट www.aryamahasammelan.com पर उपलब्ध है।

हमारा प्रयास है कि हम समस्त श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं वातारण दे पाएं, जिससे कि वे सब तरफ से ध्यान हटाकर महासम्मेलन में विद्वान वक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले उद्बोधनों का ध्यानपूर्वक श्रवण-मनन करके अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर उसकी भावना और उन्हीं विचारों को प्रतिपादित कर सकें।

इस महासम्मेलन का उद्देश्य आर्यसमाज के संगठन को शक्तिशाली बनाना, सभी आर्यजनों को अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागृत करना तथा वर्तमान की सभी ज्वलन्त समस्याओं पर आर्यसमाज की महत्वपूर्ण भूमिका का निर्धारण करना है, जिसमें आप सभी की सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि महासम्मेलन को व्यवस्थित, सुन्दर एवं सफल बनाने में हमें आपका पूर्ण सहयोग, सद्भाव अवश्य ही प्राप्त होगा, जिससे हम और आप मिलकर इस महासम्मेलन को एक यादगार, प्रेरक एवं उर्जावान स्मृति बना सकेंगे।

सुविधा की दृष्टि से आगन्तुक आर्यबन्धु (ग्रुप) में अपना पंजीकरण पहले ही करा लेंगे या विवरण भेज देंगे तो उन्हें पहचान पत्र तैयार मिल जाएंगे।

महासम्मेलन की व्यवस्थाओं में आपका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। कृपया अपनी सहयोग राशि **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा"** के नाम **"संयोजक, आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001"** के पते पर भेजें। अथवा सीधे निम्नांकित बैंक खाते में जमा करें या स्कैन कोड के माध्यम से प्रदान करें। कृपया दान राशि जमा कराते ही डिपोजिट स्लिप/स्क्रीन शॉट 9540040388 पर व्हाट्सएप्प भेजें, जिससे आपको तत्काल दान की रसीद भेजी जा सके।

DELHI ARYA PRATINIDHI SABHA
A/c No. 910010008984897 IFSC:UTIB0002193
Axis Bank, Connaught Place, New Delhi

सभा को दिया गया दान आयकर धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है

निवेदक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

समस्त सुधी पाठकों, आर्यजनों, आर्यसमाज, आर्यसंस्थाओं, आर्य शिक्षण संस्थाओं, गुरुकुलों तथा प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं के समस्त अधिकारियों, सदस्यों, आचार्यों एवं विद्यार्थियों से निवेदन है कि अपने मोबाइल कैमरे से इस पृष्ठ की फोटो खींचकर विभिन्न माध्यमों व्हाट्एप्प, टेलिग्राम, ट्वीटर, फेसबुक आदि माध्यमों से जन-साधारण में प्रचारित-प्रसारित करके अधिकाधिक संख्या में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली के अवसर पर पहुंचकर संगठन शक्ति का परिचय एवं विभिन्न वैदिक विद्वानों, संन्यासीवृन्दों एवं भजनोपदेशकों के भजन-प्रवचन एवं आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। - *संयोजक*

साप्ताहिक स्वाध्याय

स्वमन्तव्य-व्यामन्तव्य प्रकाश

गतांक से आगे-

20. '**देव**' विद्वानों को और अविद्वानों को 'असुर', पापियों को 'राक्षस', अनाचारियों को 'पिशाच' मानता हूं।

21. उन्हीं विद्वानों, माता, पिता, आचार्य, अतिथि, न्यायकारी राजा और धर्मात्माजन, पतिव्रता स्त्री और स्त्रीव्रत पति का सत्कार करना '**देवपूजा**' कहाती है, इससे विपरीत '**अदेवपूजा**'। इनकी मूर्तियों को पूज्य और इतर पाषाणादि जड़मूर्तियों को सर्वथा अपूज्य समझता हूं।

22. '**शिक्षा**' जिससे विद्या, सभ्यता, धर्मात्मता, जितेन्द्रियतादि की बढ़ती होवे और अविद्यादि दोष छूटें, उसको शिक्षा कहते हैं।

23. '**पुराण**' जो ब्रह्मादि के बनाए ऐतरेयादि ब्राह्मण-पुस्तक हैं, उन्हीं को पुराण, इतिहास, कल्प, गाथा और नाराशंसी नाम से मानता हूं, अन्य भागवतादि को नहीं।

24. '**तीर्थ**' जिससे दुःख सागर से पार उतरें कि जो सत्यभाषण, विद्या, सत्संग, यमादि योगाभ्यास, पुरुषार्थ, विद्यादानादि शुभ कर्म हैं, उन्हीं को तीर्थ समझता हूं, इतर जलस्थलादि को नहीं।

25. '**पुरुषार्थ प्रारब्ध से बड़ा**' इसलिए है कि जिससे संचित प्रारब्ध बनते, जिसके सुधरने से सब सुधरते और जिसके बिगड़ने से सब बिगड़ते हैं, इसी से 'प्रारब्ध' की अपेक्षा 'पुरुषार्थ' बड़ा है।

26. '**मनुष्य**' को सबसे यथायोग्य स्वात्मवत् सुख, दुःख, हानि, लाभ में वर्त्तना श्रेष्ठ, अन्यथा वर्त्तना बुरा समझता हूं।

27. '**संस्कार**' उसको कहते हैं कि जिससे शरीर, मन और आत्मा उत्तम होवे। वह निषेकादि श्मशानान्त सोलह प्रकार का है। इसको कर्त्तव्य समझता हूं और दाह के पश्चात् मृतक के लिए कुछ भी न करना चाहिए।

28. '**यज्ञ**' उसको कहते हैं कि जिसमें विद्वानों का सत्कार, यथायोग्य शिल्प अर्थात् रसायन जो कि पदार्थविद्या, उससे उपयोग और विद्यादि शुभगुणों का दान, अग्निहोत्रादि जिनसे वायु, वृष्टि, जल, ओषधि की पवित्रता करके सब जीवों को सुख पहुंचाना है, उसको उत्तम समझता हूं।

29. जैसे '**आर्य**' श्रेष्ठ और '**दस्यु**' दुष्ट मनुष्यों को कहते हैं, वैसे ही मैं भी मानता हूँ।

30. '**आर्यावर्त**' देश इस भूमि का नाम इसलिए है कि इसमें आदि सृष्टि से आर्य लोग निवास करते हैं, परन्तु इसकी अवधि उत्तर में हिमालय, दक्षिण में विन्ध्याचल, पश्चिम में अटक और पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी है। इन चारों के बीच में जितना देश है, उसको 'आर्यावर्त' कहते हैं और जो इनमें सदा रहते हैं उनको भी 'आर्य' कहते हैं। **-क्रमशः**

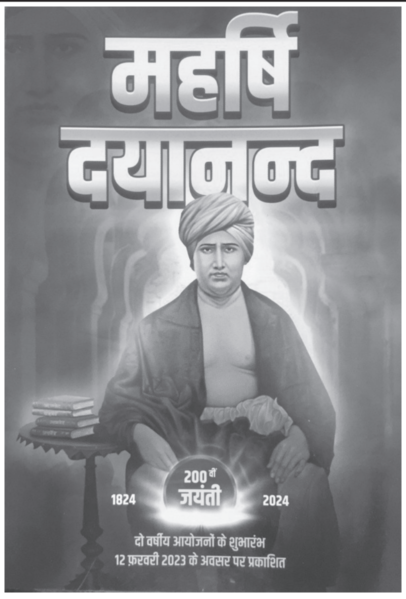

पं. इन्द्र विद्यावाचस्पति जी द्वारा लिखित एवं 200 वीं जयन्ती पर पुनः प्रकाशित जीवनी 'महर्षि दयानन्द' से साभार
पुस्तक प्राप्ति के लिए ऑन लाइन
www.vedicprakashan.com
अथवा 9540040339 पर आर्डर करें।

Continue From Last Issue

Greatness Of Swami Dayanand

Nindantu policyful if or
praiseworthy, Lakshmi: Samavishatu
Gachhatu or Yatheshtam. Adyaiva
or mortal mastu, Yugantare wa-
yayatpath: Pravichalanti padam na
dhireah1
- Bhartrihari:
Na Jatu Kamanna Bhayann Lobhad,
Dharma Tvajejjivitsyapi Heto.
dharmo nityah ukhaduhkhe
tvanitye, jeevo nityo hetusy
tvanityah 2 -Mahabharata
Ek eva suhaddharmae
nidhanapyunyati yah.
Sarvarmanyaddhi Gachhati is the
same body 3 -Manusmriti
Satyamev jayate nanritam,
satyen pantha vitato devayanah.
Yenakramtyushyo Hyaptakama
Yatra Tatsyasya Param Nidhanam 4
Nahi satyatparo dharmae,
nanritapatak param.
Nahi satyatparam gyanam tasmat
satyaam sacharet 5

Upanishads Moralwielding people may condemn, or praise, Lakshmi may come, wherever she wants, whether death is today or in ages to come, pious patient people never get distracted from the path of justice. 1

It is right for a man not to leave Dharma due to any reason like lust, fear, greed etc. and even when his life is in danger, because there is good after good and good after bad. Good and bad are temporary, but Dharma is eternal. Similarly, the soul is also eternal, but the cause of birth and death of the soul is eternal. 2.

Dharma is the only best friend who goes with the soul even after death. And all friends, relatives and material things get destroyed along with the destruction of the body. 3.

Truth always wins, not untruth. The path of knowledge expands only through truth. The place where the sages with strong desires attack with determination, that is, the one they constantly try to achieve, that is the best place of truth. 4.

There is no other religion greater than truth, and there is no greater sin than falsehood. There is no other knowledge greater than truth. That's why it is appropriate for every human being to follow the always truth and in all situations. 5.

According to the intention of the verses of these sages, everyone deserves to be sure. Now, I am going to describe here in brief all those things which I believe have been discussed in their respective topics in these books. among these-

To be Continue............

With courtesy by the biography of "Maharshi Dayanand" re-published on the occasion of 200th birth anniversary and written by Pt. Indra Vidyavachaspati Ji. To buy online login WWW.vedicprakshan.com or contact - 9540040339

सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली: 30 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2025

रेल यात्रा के माध्यम से दिल्ली आने वाले आर्यजन कृपया ध्यान दें

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती एवं 150वें आर्यसमाज थापना वर्ष- ज्ञान ज्योति महोत्सव के समापन के रूप में आयोजित **आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2025** की तिथियां **30 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2025** (बृहस्पतिवार से रविवार) सुनिश्चित हैं। इस अवसर पर दिल्ली पधार रहे समस्त आर्यजनों की सुविधा हेतु सूचित किया जाता है कि रेलवे आरक्षण 60 दिन पूर्व आरम्भ हो जाते हैं, कृपया इसका ध्यान रखते हुए रेलवे आरक्षण कराएं। जिन स्थानों से किन्हीं विशेष दिनों में ही ट्रेन चलती हैं और उनकी ट्रेन दिल्ली 28 या 29 अक्तूबर को दिल्ली पहुंचती है तो उनके लिए विशेष रूप से सम्मेलन स्थल पर ही आवास एवं भोजन व्यवस्था 28 की रात्रि से उपलब्ध कराई जाएगी। महासम्मेलन में दिल्ली पधारने वाले समस्त आर्यजनों को दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन एवं आनन्द विहार रेलवे स्टेशनों से महासम्मेलन स्थल तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। आप कहां से, कब, कितने बजे, किस स्टेशन पर पहुंच रहे हैं, इसकी सूचना अपने ग्रुप लीडर के माध्यम से ग्रुप लीडर के नाम, पते, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्स्यों की सूची बनाकर सम्मेलन कार्यालय के पते '**15 हनुमान रोड नई दिल्ली-110001**' पर भेजें अथवा **aryasabha@yahoo.com** पर ईमेल करें। अपने ईमेल/पत्र पर 'आवास एवं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था हेतु' अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की जा सके। अधिक जानकारी लिए **9311721172** से सम्पर्क करें।

- ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2025 दिल्ली के अवसर पर

वानप्रस्थ और संन्यास-दीक्षा समारोह

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली - 2025 के अवसर पर गत सम्मेलनों की भांति वानप्रस्थ और संन्यास ग्रहण करने के लिए वानप्रस्थ और संन्यास की दीक्षा का भव्य कार्यक्रम आयोजित होगाख जो आर्य महानुभाव इस ऐतिहासिक अवसर पर आर्यजगत् के मूर्धन्य संन्यासी, वैदिक विद्वानों से वानप्रस्थ अथवा संन्यास की दीक्षा लेना चाहते हों, इस कार्यक्रम में सादर आमन्त्रित हैं।

दीक्षा के इच्छुक महानुभाव कृपया अपना विवरण 'संयोजक, यज्ञ समिति' के नाम सम्मेलन कार्यालय - 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001 के पते पर भेजें, ताकि उनके संस्कार की समस्त व्यवस्था बनाई जा सके। महासम्मेलन आयोजन समिति इस कार्यक्रम को विशेष प्रकार से आयोजित करेगी।

- ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति

प्रत्येक आर्यसमाज एवं आर्यजन करें प्रचार

समस्त आर्यसमाजों एवं आर्यजनों अनुरोध है कि सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तिथियां नोट करें ले और सोशल मीडिया तथा प्रिंट मीडिया के प्रत्येक प्लेटफार्म पर इसका प्रचार करें। आर्यसमाजें अपने साप्ताहिक सत्संगों में नियमित रूप से इसकी सूचना दें, अपने आर्यसमाज की बैठक आमन्त्रित करें और समिति गठित करें तथा समाज के प्रत्येक सदस्य को सपरिवार पहुंचने के लिए प्रेरित करें। इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को भव्य, विराट एवं ऐतिहासिक बनाने में आप सबका सहयोग सादर अपेक्षित है। ***ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति***

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
30-31 अक्तूबर एवं 1-2 नवम्बर, 2025
स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-110085

पुस्तक विक्रेता स्टाल बुक कराएं

महासम्मेलन स्थल पर वैदिक साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए साहित्य प्रचार स्टाल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर केवल वैदिक साहित्य, प्रचार सामग्री, यज्ञ सम्बन्धित सामग्री आदि ही विक्रय की जा सकेगी। स्टालों की संख्या सीमित रहेगी, जोकि पहले आओ-पहले पाओ के आधर पर दिए जाएंगे। स्टाल बुकिंग शुल्क 5000/- रुपये निश्चित किया गया है, जिसका भुगतान नगद/चैक/बैंक ड्रॉफ्ट अथवा RTGS/NEFT के माध्यम से निम्नांकित बैंक खाते या दिए गए स्कैन कोड द्वारा कर सकते हैं। चैक वापिस होने पर 500/- अतिरिक्त देना होगा तथा स्टॉल रद्द हो जायेगा।

Delhi Arya Pratinidhi Sabha
A/c No. 91001000898 4897 IFSC:UTIB0002193
Axis Bank, Connaught Place, New Delhi

स्टाल बुकिंग करवाने अथवा अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए **संयोजक (स्टाल) श्री संजीव आर्य जी (9868244958)** से सम्पर्क करें। - ***संयोजक***

पृष्ठ 2 का शेष

भगवा रंग को आंतकी कहना ....

'सत्यमेव जयते' मेरे ऊपर बड़े लोगों का नाम लेने के लिए बहुत दबाव था पर मैं नहीं टूटी, यह सत्य भी है कि इस मामले की जांच के समय उन्हें बहुत यातनाओं से गुजरना पड़ा था लेकिन इस साध्वी ने अपनी हर परीक्षा में हिम्मत नहीं हारी और निर्दोष सिद्ध हुई। कोर्ट का फैसला आने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पार्टी की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस नेताओं खासकर दिग्विजय सिंह को हिंदू आतंकवाद का विमर्श गढ़ने के लिए माफी मांगनी चाहिए, मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, सत्यमेव जयते... मालेगांव ब्लास्ट केस में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना कांग्रेस की संकुचित मानसिकता पर प्रहार है, उन्होंने कहा कि हिंदू आतंकवाद जैसे विमर्श गढ़ने वाली कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता, यह फैसला सनातन धर्म, साधु-संतों और भगवा को अपमानित करने वाले लोगों को करारा जवाब है, कांग्रेस को सनातनियों से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा, आज साध्वी प्रज्ञा निर्दोष साबित हुई हैं। हालांकि कोर्ट के फैसले पर पीड़ितों के वकील शाहिद नवीन अंसारी ने कहा- हम NIA कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है।

इस गंभीर विषय में आर्य समाज का मानना है कि दलगत राजनीति अपनी जगह है लेकिन राष्ट्र गौरव का स्थान सर्वोपरि है। भारत विश्व का एक बड़ा लोकतांत्रिक देश है, यहां हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की पूरी स्वतंत्रता प्राप्त है, किन्तु इसका अर्थ यह बिलकुल नहीं है कि अवसरवादिता का लाभ उठाने के लिए कोई इसकी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास को नजरंदाज करके भगवा रंग को धारण करने वाले लाखों, करोड़ों, साधु संतों, सन्यासियों, गुरुकुल के छात्र-छात्राओं की वेशभूषा, धर्म के ध्वजों, राष्ट्रभक्तों, स्वतंत्रता सेनानियों, अमरवीर बलिदानियों की भावनाओं से खेलते हुए भगवा रंग को आतंकवाद जैसे-जैसे ओछे तथा गरिमविहीन शब्दों से जोड़ने का निरर्थक प्रयास करे। - **संपादक**

प्रथम पृष्ठ का शेष

35वें आर्य महासम्मेलन अमेरिका में सार्द्ध .....

वे भारत के प्रथम जस्टिस बने तो यह आर्य समाज की देन है, आपने रेल टिकट और डाक टिकट को लेकर बहुत ही प्रेरक और उदाहरण दिए, अगले 150 वर्षों तक हमें आर्य समाज को एक नई दिशा देने के लिए अपने बच्चों को आर्य संस्कार देने पड़ेंगे, आर्य समाज एक साइन बोर्ड की तरह है जो मानव मात्र को रास्ता दिखाता रहेगा। आज जो संपूर्ण विश्व में समस्या है, उन समस्याओं को समझना और उनका समाधान देना आर्य समाज का इतिहास और उज्जवल भविष्य है। सबसे पहले हमें समझना चाहिए कि आजकल की युवा पीढ़ी ईश्वर को नहीं मानती, क्योंकि ईश्वर को लेकर जो भ्रम समाज में फैलाया जा रहा है उसे युवा पीढ़ी कैसे माने? तो इसलिए आर्य समाज को सच्चे ईश्वर का स्वरूप सामने रखकर समाधान देना होगा, दूसरा, विवाह की जो संस्था है वह लगभग समाप्ति की ओर है और युवा पीढ़ी संतान उत्पन्न नहीं करना चाहती, शादी से बचना चाहती है तो इसका समाधान भी आर्य समाज को देना होगा। जो जहां पर है वहीं पर समस्याओं को समझें और समाधान दे, इसी का नाम है आर्य समाज। आपने 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक दिल्ली में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का सभी उपस्थित जनों को आमंत्रण दिया और सभी ने उसको स्वीकार किया। आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के प्रधान श्री भुवनेश खोसला जी महामंत्री श्री विश्रुत आर्य जी एवं सभी अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्यों ने उपस्थित सभी अतिथि गणों का भावपूर्ण स्वागत किया और अंत में सभा प्रधान श्री भुवनेश खोसला जी ने सबका आभार व्यक्त किया।

ओ३म्

आर्य समाज 150 आर्यसमाज स्थापना के 150वें वर्ष

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयंती

सार्द्ध शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, 2025

30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025

स्वर्ण जयंती पार्क, सैक्टर 10, रोहिणी, नई दिल्ली 110085

पंजीकरण प्रारंभ

वेबसाइट पर आज ही अपना पंजीकरण करें

www.aryamahasammelan.com

पंजीकरण हेतु उपयोगी निर्देश

जत्था (Group) बनाऐं
परिवहन के साधन, आगमन प्रस्थान के समय, आवास चयन, संस्था आदि के आधार पर प्रतिभागियों के अलग-अलग जत्थे बनाएं।

जत्था नायक (Group Leader)
बेहतर प्रबंध हेतु छोटे-छोटे जत्थे बनाएँ (जैसे 25 सदस्य) और प्रत्येक जत्थे का जत्था नायक चुनें।

जत्थे के सदस्यों का पंजीकरण
एक-एक करके जत्थे के सभी सदस्यों का पंजीकरण करें। सभी का अलग- अलग मोबाईल नंबर देंगे तो बेहतर रहेगा।

आवास
प्रत्येक जत्थे की आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क अथवा सशुल्क आवास चुनें। अपने आवास की व्यवस्था स्वयं भी कर सकते हैं।

आगमन / प्रस्थान
प्रत्येक जत्थे के परिवहन के साधन, आगमन / प्रस्थान के समय और स्थान की सूचना देवें। यह जानकारी टिकट बुक होने के बाद भी दे सकते हैं।

पंजीकरण संख्या
सफल पंजीकरण के बाद प्रत्येक सदस्य की पंजीकरण संख्या उसके मोबाईल नंबर पर भेज दी जाएगी।

कृपया 30 सितम्बर 2025 तक सभी जानकारी अवश्य डाल देवें ताकि हम आपको अच्छी से अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कर सकें

पंजीकरण में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए 93 1172 1172 पर संपर्क करें

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

समस्त आर्यजनों, संस्थाओं/आर्य समाजों/परिवारों से विज्ञापन सहयोग आमन्त्रित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2025 दिल्ली के अवसर पर भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। इस स्मारिका के लिए समस्त आर्यजनों, संस्थाओं, आर्यसमाजों एवं आर्य परिवारों से विशेष विज्ञापन सहयोग आमन्त्रित किए जाते हैं। यदि आप अपना कोई शुभकामना सन्देश विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्य समाज की जानकारी अथवा अपने माता-पिता, सगे-सम्बन्धी का परिचय या अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो विज्ञापन के रूप में अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं।

विज्ञापन प्रकाशित कराने या अधिक जानकारी के लिए '**स्मारिका संयोजक**', 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 को लिखें/9311721172 पर सम्पर्क करें या aryasabha@yahoo.com पर ई-मेल करें। - **संयोजक**

सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025

ऐतिहासिक रूप से भव्य, सफल एवं प्रेरणाप्रद बनाने हेतु सुझाव आमन्त्रित

समस्त सुधी पाठकों, वैदिक विद्वानों, लेखकों, चिन्तकों, आर्यसमाज के हितैषी महानुभावों से अनुरोध है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को सफल और प्रेरणाप्रद बनाने के लिए अनुभवों के आधार पर अपने उपयोगी सुझाव अवश्य प्रदान करें। आपने वर्ष 2006 के उपरान्त तथा इससे भी पूर्व में आयोजित महासम्मेलनों में भाग लिया है। इन सम्मेलनों में आपको कुछ व्यवस्थाएं अच्छी लगी होंगी तथा कुछ में सुधार की अपेक्षा भी रही होगी।

अत: आपसे निवेदन है कि आने वाले सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को ऐतिहासिक रूप से सफल और अविस्मरणीय बनाने के लिए कृपया अपने सुझाव **31 अगस्त 2025** तक भेजने की कृपा करें, जिससे उन सुझावों पर विचार करके उन्हें प्रयोग में लाया जा सके। कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेजें अथवा ईमेल करें -

संयोजक समिति
सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली- 110001, मो. 9311721172
Email:aryasabha@yahoo.com

साप्ताहिक
आर्य सन्देश
सोमवार 4 अगस्त, 2025 से रविवार 10 अगस्त, 2025
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001
दिल्ली पोस्टल रजि.नं. डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2024-25-2026
LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 07-08-09/08/2025 (वीर-शुक्र-शनिवार)
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2024-25-26
आर.एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 06 अगस्त, 2025

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली
ऐतिहासिक रूप से भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने हेतु
दिल खोलकर दान दें

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025 को ऐतिहासिक रूप से भव्य, सुव्यवस्थित, सफल बनाने के लिए समस्त आर्यसमाजों, प्रान्तीय सभाओं, आर्य प्रतिष्ठानों, शिक्षण संस्थानों, आर्य परिवारों एवं औद्योगिक घरानों से सहयोग की अपील की जाती है। कृपया दिल खोलकर दान दें।

अपनी दानराशि का सहयोग **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा"** के नाम चैक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से भेजें अथवा निम्नांकित बैंक खाते में सीधे जमा कराएं। स्कैन कोड द्वारा भी दान राशि प्रदान की जा सकती है। कृपया दान राशि जमा कराते ही डिपोजिट स्लिप/स्क्रीन शॉट **9540040388** पर व्हाट्सएप्प भेजें, जिससे आपको तत्काल दान की रसीद भेजी जा सके।

Delhi Arya pratinidhi Sabha
A/c No. 910010008984897 IFSC:UTIB0002193
Axis Bank, Connaught Place, New Delhi

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया दान 80जी के अन्तर्गत आयकर मुक्त है।

समय दानी आर्यजन कृपया ध्यान दें

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025 के आयोजन 30-31 अक्तूबर एवं 1-2 नवम्बर, 2025 की आयोजन तथा आयोजन से पूर्व तथा पश्चात् की व्यवस्थाओं तथा उसके लिए गठित होने वाली विभिन्न समितियों में सहयोग करने के लिए सभी आर्यजनों एवं कार्यकर्ताओं से समय दान करने का निवेदन किया जाता है। अतः जो आर्यजन **कम से कम 7 दिन का समय** सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोगी बनने के लिए दान करना चाहें, वे कृपया अपना नाम, मो.न. एंव विवरण तथा किन तिथियों में समय में कब से कब तक का समय दान कर सकते हैं **9311721172** पर नोट करा दें। हमारे कार्यकर्ता शीघ्र ही आपसे सम्पर्क स्थापित करेंगे।

– ज्ञान ज्योति महोत्सव आयोजन समिति

प्रतिष्ठा में,

आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली
भव्य स्मारिका का प्रकाशन
वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों महानुभावों से निवदेन

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जयन्ती वर्ष एवं 150वें आर्यसमाज स्थापना वर्ष के आयोजनों -ज्ञान ज्योति महोत्सव के समापन के रूप में आयोजित **'आर्यसमाज सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मलेन, दिल्ली- 2025'** के अवसर पर प्रकाशित होने वाली **भव्य स्मारिका हेतु** वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से आर्य समाज के अनुछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेख आमन्त्रित किए जाते हैं।

इस सम्बन्ध में समस्त वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों महानुभावों से निवेदन है कि अपने लेख ए-4 पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर निम्न पते पर भेजें या ईमेल करें।

स्मारिका संयोजक
सार्द्ध शताब्दी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन, दिल्ली-2025
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली- 110001 Email:aryasabha@yahoo.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्लेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह